शत्रु पर विजय पाना

Overcoming the Enemy

उद्देश्य (OBJECTIVE)

यह शिक्षा इफिसियों 6:10-17 को गहराई से समझाते हुए, मसीही आगुआओं के लिए आत्मिक युद्ध में विजय पाने के **सात आदेशों** को प्रकट करती है।

यह हमें सिखाती है कि कैसे हम परमेश्वर के अधिकार पर भरोसा करें, परमेश्वर के **पूरे हथियारों को धारण करें**, और शत्रु की युक्तियों के विरुद्ध **सत्य में स्थिर** खड़े रहें।

अंततः, मसीही आगुवो के रूप में, हमारे और हमारे द्वारा अगुवाई किए जाने वाले लोगों के लिए मुख्य फोकस यह होना चाहिए कि हम **यीशु के साथ गहन निकटता** में रहें और **परमेश्वर के वचन** को जानें — क्योंकि यही आत्मिक हथियार की मुख्य कुंजी है जो हमें विजयी सेवा करने में सक्षम बनाती है।

सारांश (OVERVIEW)

- **आत्मिक युद्ध (Spiritual Warfare):**
  - इफिसियों 6 आत्मिक युद्ध में विजय के लिए निर्देश प्रदान करता है।
- **नेताओं के लिए सात आदेश (Seven Commands for Leaders):**
  1. **सावधान रहें (Be alert):** अपने चारों ओर चल रहे आत्मिक युद्ध को पहचानें।
  2. **प्रभु में बलवन्त बनें (Be strong in the Lord):** अपने पद पर नहीं, बल्कि उसके अधिकार पर भरोसा करें।
  3. **पूरा हथियार धारण करें (Put on the entire armor):** आत्म-विश्लेषण करें और सुनिश्चित करें कि कुछ भी छूटा न हो।
  4. **स्थिर रहें (Stand firm):** शैतान की चालों के विरुद्ध सत्य में जड़ें जमाएं।
  5. **लड़ाई की अपेक्षा रखें (Expect a fight):** आत्मिक आक्रमणों के लिए तैयार रहें।
  6. **शत्रु को पहचानें (Know your enemy):** असली शत्रु पर ध्यान दें; ऊर्जा का गलत उपयोग न करें।
  7. **लड़ाई कहाँ है जानें (Know where to fight):** युद्ध स्वर्गिक स्थानों में है — आत्मिक रूप से युद्ध करें।
  - हमें मसीह में अधिकार, सामर्थ और विजय प्राप्त है।
  - यीशु के साथ घनिष्ठता और परमेश्वर के वचन को जानना आत्मिक विजय के लिए आवश्यक है।

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- इफिसियों 6:10-17
- यशायाह 11:5
- यशायाह 59:17
- भजन संहिता 91:4
- यशायाह 49:2
- यशायाह 52:7

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. इफिसियों 6 में बताए गए सात आदेशों में से कौन-सा क्षेत्र इस समय शत्रु के हमले के लिए सबसे अधिक असुरक्षित लगता है? आप उस क्षेत्र में अपनी सुरक्षा कैसे मजबूत कर सकते हैं?

2. किन तरीकों से आप अपने नेतृत्व में प्रभु के अधिकार के बजाय अपने बल या पद के आधार पर भरोसा करते हैं? आप इस निर्भरता को प्रभु की ओर कैसे स्थानांतरित कर सकते हैं?

3. क्या आपने कभी गलत शत्रु से युद्ध किया है? यदि हाँ, तो समझाइए।

4. आप जिन लोगों का नेतृत्व करते हैं, उन्हें परमेश्वर का पूरा हथियार पहनने के लिए आप व्यावहारिक रूप से कैसे सशक्त बना सकते हैं?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- रोमियों 13:11-14
- भजन संहिता 91
- यशायाह 59:17